# अमेरिका का संक्षिप्त इतिहास – हवाई (Hawaii) संबंध

**1826 –** अमेरिका ने हवाई राज्य को प्रभुसत्ता-संपन्न, स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी।

**1893 –** अमेरिकी नौसेना ने यह बहाना बनाते हुए हवाई पर कब्जा कर लिया कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा के हित में है और अमेरिकी मंत्री ने हवाई पर अमेरिकी झंडा फहरा दिया तथा दावा किया कि हवाई अमेरिका द्वारा संरक्षित राज्य है। फिर अमेरिकी सरकार ने हवाई की महारानी Liliuokalani को "उनके पद से हटा दिया" (महारानी के विरोध को http://www.kanakamaolipower.org/history.php पर पढ़ें।)

**1898 –** अमेरिका ने उस समामेलन संधि जैसी औपचारिकताओं को दरकिनार करते हुए "आधिकारिक रूप से" हवाई को अपने कब्जे में ले लिया जिसे उसने लुसियाना, फ्लोरिडा, टेक्सास और अन्य क्षेत्रों को इससे पहले साथ मिलाते समय हमेशा पूरा किया था। अंतर्राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत, समामेलन संधि के न होने का अर्थ है कि समामेलित किए गए देश की प्रभुसत्ता समर्पित **नहीं** की गई है।

**1959 –** अमेरिका ने हवाईवासियों से यह पूछने के लिए जनमत संग्रह कराया कि क्या वे संरक्षित राज्य की अपनी स्थिति को बनाए रखना चाहते हैं या राज्य के रूप में अमेरिका में मिलना चाहते हैं। अनुकूल परिणामों के प्रयोजन से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा अनिवार्य रूप से रखे गए तीसरे प्रश्न को अपनी सुविधानुसार हटा दिया कि क्या हवाईवासी स्वतंत्रता चाहते हैं। हवाई में तैनात 10,000 अमेरिकी सेनाकर्मियों के भी वोटों की मदद से, उन्हें अमेरिका में शामिल कराने वाला बहुमत मिला और फिर हवाई को उनके पचासवें राज्य के रूप में शामिल कर लिया गया।

**<u>आज</u> –** हवाई अब भी अमेरिकी साम्राज्य की बेहद खूबसूरत कालोनी है और अमेरिका ने आजादी चाहने वाले हवाईवासियों को एक किनारे कर अब भी कब्जा बना रखा है। लेकिन आखिर कब तक…?

**अमेरिकी प्रतिदिन यही प्रलाप करते हैं: *"इस धरती पर हम ही महानतम राष्ट्र हैं!"***
और वे अपने स्कूली बच्चों तक को अपनी देशभक्ति की शपथ में सिखाते हैं: "***...सभी के लिए आजादी और न्याय (with liberty and justice for all)!"***

*हवाईवासियों का उत्तर है:* ***हवाई अमेरिका नहीं है और कभी होगा भी नहीं!***

***---***
***आजादी चाहने वाले अन्य देशों का इससे क्या लेना देना है? बहुत अधिक समानता है। दुनिया भर में कुछ ऐसे कब्जाए गए देश हैं जो आजादी पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके पास यह दर्शाने वाली अपनी कहानियाँ हैं कि किस तरह से कब्जा करने वाली ताकतों ने उन्हें दबाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को तोड़ा-मरोड़ा या उनकी उपेक्षा की। हवाई के देशवासी विद्रोहियों के द्वीप, काउआई (Kauai) पर स्थाई शैक्षिक प्रदर्शन करना चाहेंगे और दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को जानकारी देने के लिए अपनी कहानियाँ और झंडे प्रदर्शित करेंगे। वास्तव में, यह सामग्री इंटरनेट के माध्यम से भी उपलब्ध होगी और इसे अनेक अन्य भाषाओं में अनूदित कराया जाएगा।***